दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, गुरुवार 30 सितंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 05

महत्वपूर्ण एवं खास

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय 1 अक्टूबर को वयो नमन कार्यक्रम का करेगा आयोजन

नई दिल्ली (आरएनएस)। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय 1 अक्टूबर, 2021 को प्रातः 11:55 से 1 बजकर 5 मिनट तक प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में 'वयो नमन' कार्यक्रम का आयोजन करेगा। मंत्रालय वृद्धजनों के लिए हर वर्ष 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाता है। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे और 'वयोश्रेष्ठ सम्मान' पुरस्कार प्रदान करेंगे। नायडू इस अवसर पर एल्डरली लाइन 14567 को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और सीनियर एबल सिटिजन रिएम्प्लॉयमेंट इन डिग्निटी (एसएसीआरईडी) और सीनियर केयर एजिंग ग्रोथ इंजन (सीएजीई) पोर्टल्स का शुभारंभ करेंगे।

पति-पत्नी के झगड़े में गई मासूम की जान, 6 महीने की बच्ची को पटककर मार डाला

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में एक क्रूर पिता ने अपनी 6 महीने की मासूम बेटी को फर्श पर पटक दिया, जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि शख्स अपनी पत्नी से नाराज था और उसके चलते ही उसने बेटी को पटक दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। बारां जिले के अतरू पुलिस स्टेशन का यह मामला है, जहां बीती शाम ने शख्स को घटना को अंजाम दिया। एसएचओ रामकिशन गोदारा ने बताया कि पति और पत्नी के बीच सोमवार को झगड़ा हुआ था। पत्नी को डर था कि उसका पति मंगलवार को लौटकर फिर उस पर हमला बोल सकता है। इस डर के चलते वह अपने मायके चली गई थी। मंगलवार की शाम को वह लौटी थी ताकि बच्चों को भी अपने साथ ले जा सके। इस दौरान उसका एक बार फिर पति से झगड़ा शुरू हो गया क्योंकि वह बच्चों को साथ नहीं भेजना चाहता था। गोदारा ने कहा कि इसी दौरान शख्स ने पत्नी के हाथ से बच्ची को छीन लिया और उसे फर्श पर पटक दिया। बच्ची के सिर पर चोट लगी थी और तुरंत ही उसकी मौत हो गई। मां ने पुलिस को बताया कि बच्ची को बुखार था, इसलिए वह उसे लेने आई थी। महिला की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने शख्स को गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क हादसे में तीन महिलाओं समेत चार की मौत

रायबरेली (आरएनएस)। स्कार्पियो की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटा समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुए लोग फतेहपुर जिले के रहने वाले थे। दुर्घटना के बाद आरोपित चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। फतेहपुर जिले के हुसैनगंज थाने के असनी गांव निवासी दिनेश कुमार के भाई की ससुराल लालगंज कोतवाली के मठ मजरे चिलौला गांव में है। मंगलवार को उनके ससुर का निधन हो गया था। बुधवार को दिनेश, मां गोल्ही, भतीजी गुज्जो व भाभी सीता को बाइक से लेकर वहां आया था। दोपहर बाद चारों एक ही बाइक से वापस घर लौट रहे थे। हाईवे पर गेगासो पुल के पहले एक ढाबे के निकट सामने से आ रही स्कार्पियो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दिनेश, गुज्जो, गोल्ही की मौके पर ही मौत हो गई।

ईसीएलजीएस योजना का दायरा बढ़ाकर 31 मार्च 2022 तक किया गया विस्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) ने अपनी शुरुआत के बाद से 1.15 करोड़ से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और व्यवसायों को राहत दी है। इसने पात्र ऋणधारकों को उनकी परिचालन संबंधी देनदारियों को पूरा करने और कोविड-19 महामारी के कारण होने वाले व्यवधानों के मद्देनजर अपने व्यवसायों को फिर से शुरू करने में सहायता प्रदान की है।

24 सितम्बर, 2021 तक, योजना के तहत 2.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं और जारी की गई कुल गारंटियों में से लगभग 95 प्रतिशत गारंटियां सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को स्वीकृत ऋणों के लिए हैं।

सरकार को विभिन्न उद्योग संस्थाओं और अन्य हितधारकों की ओर से पात्र क्षेत्रों/व्यवसायों को निरंतर समर्थन सुनिश्चित करने के लिए योजना का

विस्तार करने की मांग प्राप्त होती रही है। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित विभिन्न व्यवसायों का समर्थन करने के उद्देश्य से, आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) की समय-सीमा को 31.03.2022 तक अथवा योजना के तहत 4.5 लाख करोड़ रुपये की गारंटियां जारी होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, योजना के तहत संवितरण की अंतिम तिथि भी 30.06.2022 तक बढ़ा दी गई है।

कोविड की दूसरी लहर से प्रभावित व्यवसायों को सहायता प्रदान करने के लिए योजना में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं।

ईसीएलजीएस 1.0 और 2.0 के तहत मौजूदा ऋणधारक 29.02.2020 अथवा 31.03.2021 के अनुसार कुल बकाया ऋण, जो भी अधिक हो, के अधिकतम 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त ऋण सहायता के लिए पात्र होंगे। जिन व्यवसायों ने ईसीएलजीएस (ईसीएलजीएस 1.0 या 2.0) के तहत सहायता प्राप्त नहीं की है, वे 31.03.2021 तक अपने बकाया ऋण के अधिकतम 30 प्रतिशत तक की ऋण सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ईसीएलजीएस 3.0 के तहत निर्दिष्ट क्षेत्रों के व्यवसाय, जिसने पहले ईसीएलजीएस का लाभ नहीं उठाया है, वे 31.03.2021 तक अपने बकाया ऋण के 40 प्रतिशत तक, प्रति ऋणधारक अधिकतम 200 करोड़ रुपये तक की ऋण सहायता प्राप्त कर सकते हैं। मौजूदा ईसीएलजीएस ऋणधारकों द्वारा वृद्धिशील ऋण प्राप्त किया जा सकता है, जिनकी पात्रता कट ऑफ तिथि 29.02.2020 से बदलकर 31.03.2021 होने के कारण बढ़ी है।

तदनुसार, जिन ऋणधारकों ने ईसीएलजीएस के तहत सहायता प्राप्त की है और जिनका 31.03.2021 तक बकाया (ईसीएलजीएस के तहत समर्थन को छोड़कर) 29.02.2020 से अधिक है, वे ईसीएलजीएस 1.0, 2.0 या 3.0 के तहत निर्धारित सीमा के भीतर वृद्धिशील समर्थन के लिए पात्र होंगे। पेश किए गए संशोधन से यह सुनिश्चित होगा कि कोविड-2019 की दूसरी लहर से प्रतिकूल रूप से प्रभावित व्यवसायों को संपार्श्विक मुक्त तरलता में वृद्धि हो। इसके अलावा यह व्यस्त/त्योहारों के मौसम में सभी ईसीएलजीएस ऋणधारकों (जिसमें मुख्य रूप से एमएसएमई इकाइयां शामिल हैं) को बहुत आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

रीट पेपर लीक मामला : एसडीएम, डीएसपी समेत 20 अधिकारी निलंबित

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में आरईईटी पेपर लीक मामले में, अशोक गहलोत सरकार ने अब तक राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के एक अधिकारी, राजस्थान लोक सेवा (आरपीएस) के दो अधिकारियों और सवाई माधोपुर के एक जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) सहित 20 अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। कर्मचारियों में तीन कांस्टेबल भी शामिल हैं। इनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है और आरोपी आरएएस व आरपीएस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

राज्य में सरकारी शिक्षकों की नियुक्ति के लिए हाल ही में आयोजित आरईईटी परीक्षा में इन अधिकारियों और कर्मचारियोंकी भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। प्रदेश में यह पहला ऐसा मामला है, जब नकल या पेपर लीक होने के मामले में आरएएस और आरपीएस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

आरोपियों में एसडीएम नरेंद्र कुमार मीणा (आरएएस), अंचल अधिकारी नारायण तिवारी (आरपीएस), डीएसपी राजूलाल मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी राधेश्याम मीणा (सभी सवाई माधोपुर से) और 20 अन्य शामिल हैं।

प्रारंभिक साक्ष्य मिलने के बाद सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया है, दोषी पाए जाने पर उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा।

असम में शीर्ष माओवादी नेता तिंगराज ओरंग ने किया आत्मसमर्पण

गुवाहाटी(आरएनएस)। शीर्ष माओवादी नेता तिंगराज ओरंग ने असम पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। ओरंग ने गुवाहाटी में विशेष शाखा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिरेन चंद्र नाथ के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि ओरंग भाकपा (माओवादी) की असम राज्य आयोजन समिति के संयोजक हैं, जिसका गठन 2017 में झारखंड-ओडिशा सीमा पर आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो की बैठक के बाद किया गया था। 49 वर्षीय नेता असम में भाकपा (माओवादी) की बराक और ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्रीय समितियों के महासचिव थे। वह ब्रह्मपुत्र और बराक घाटियों में प्रतिबंधित संगठन के आधार के विस्तार के प्रभारी थे। अधिकारियों के अनुसार, ओरंग का वाम दलों के साथ जुड़ाव 1989-99 में एसएफआई और सीपीआई-एम के सदस्य के रूप में शुरू हुआ था। आदिवासी चाह जनगोष्ठी सुरक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष, ओरंग 2006 में किशन दा (ईआरबी प्रमुख) से मिलने के बाद औपचारिक रूप से भाकपा (माओवादी) में शामिल हो गए।एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ओरंग का आत्मसमर्पण असम में भाकपा (माओवादी) आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका होगा, क्योंकि राज्य इकाई नेतृत्वविहीन होगी।एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि हालांकि कोई हथियार और गोला-बारूद जमा नहीं किया गया है, लेकिन उनका आत्मसमर्पण राज्य में माओवादी तत्वों के लिए एक नैतिक झटका होगा।

रांची में प्रेम-प्रसंग में हुआ ट्रिपल मर्डर

» 4 साल के अवैध संबंध से दो बच्चों की मां ने छुटकारा पाना चाहा तो आशिक ने पति-पत्नी को चाकू मारा

» घायल पति ने प्रेमी को मार डाला

रांची (आरएनएस)। रांची में मंगलवार देर रात अवैध संबंध में 3 लोगों की हत्या हो गई। घटना खलारी थाना क्षेत्र के मोहन नगर आवासीय कॉलोनी की है। मृतकों में सीसीएल के डोजर ऑपरेटर देव प्रसाद, उनकी पत्नी कौशल्या देवी और पड़ोसी प्रकाश चौहान शामिल है। जबकि, घटना में देव प्रसाद की बेटी की एक आंख फूट गई है, उसका इलाज रिम्स में चल रहा है। बताया जाता है कि देव प्रसाद की पत्नी कौशल्या और प्रकाश के बीच पिछले 4 साल से अवैध संबंध था। प्रकाश अक्सर कौशल्या देवी के घर आता था। दो बच्चे की मां कौशल्या को जब यह पता चला कि प्रकाश की शादी हो गई है तो वह उससे दूरी बनाने लगी थी, लेकिन प्रकाश अभी भी उससे जबरन रिश्ता रखना चाहता था। इसी आवेश में उसने घटना को अंजाम दिया है। दर्ज एफआईआर के मुताबिक, रात 9 बजे दीवार फांद कर प्रकाश, देव प्रसाद के घर में घुस गया और दरवाजा खटखटाने लगा। कौशल्या ने दरवाजा खोला तो प्रकाश चौहान ने पूछा कि दरवाजा क्यों नहीं खोलती हो, यह कहते हुए उसने कौशल्या पर चाकू से कई बार हमला कर दिया। उधर, शोर सुनकर पत्नी को बचाने देव प्रसाद आए तो प्रकाश ने उन पर भी हमला कर दिया। इसके बाद घायल देव प्रसाद ने घर में रखे हथौड़े से प्रकाश के सिर पर कई वार कर दिए। इसमें प्रकाश और कौशल्या की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि देव प्रकाश की मौत अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई। वहीं, बीच-बचाव करने आई बेटी घायल हो गई।

डेढ़ साल पहले रंगे-हाथ पकड़े गए थे दोनों- डेढ़ साल पहले कौशल्या देवी के पति देव प्रसाद ने दोनों को अपने ही घर में रंगे हाथ पकड़ लिया था। उस पर उन्होंने अपनी पत्नी के बाल काट दिए थे, जबकि प्रकाश भागते वक्त कुएं में गिर गया था। मामला थाने तक भी पहुंचा था। पुलिस की मध्यस्थता से ही मामला सुलझा था। प्रकाश के पिता नसीब चौहान पिपरवार कोलियरी में डोजर ऑपरेटर हैं।

बाप की हैवानियत से तंग आकर घर से भागी लड़की, पिता गिरफ्तार

» नाबालिग बेटी से दुष्कर्म

चम्पावत (आरएनएस)। चम्पावत में नाबालिग बेटी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो, दुराचार समेत अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया है। वर्तमान में बनबसा में रह रहा आरोपी मूल रूप से नेपाल के कंचनपुर जिला का निवासी है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर रात पुलिस बनबसा बाजार में गश्त कर रही थी। इस दौरान उन्हें बाजार में एक किशोरी अकेले घूमती नजर आई। पुलिस किशोरी को महिला पुलिस की निगरानी में अपने साथ थाने ले आई।

थाने में उससे पूछताछ की गई।

बुधवार को उसे पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग की टीम और समाजसेवी संस्था 'रीड्स' की सुपुर्दगी में दिया गया। यहां अलग-अलग टीमों ने किशोरी से पूछताछ की। किशोरी ने आरोप लगाया कि पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। मुंह खोलने पर उसे धमकी दी गई थी। किशोरी ने बताया कि पिता की हैवानियत से तंग आकर वह रात को घर छोड़ने के लिए मजबूर हुई। किशोरी का आरोप है कि आरोपी उसकी बहन और भाई के साथ भी गलत हरकतें करता है।

एसओ लक्ष्मण सिंह जगवाण ने बताया कि पूछताछ के दौरान किशोरी के बयान दर्ज किए गए। इसके बाद रीड्स संस्था के कोषाध्यक्ष जनक चंद की तहरीर पर थाना पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 323, 504, 506 और पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कंचनपुर (नेपाल) का मूल निवासी आरोपी वर्तमान में बनबसा में रह रहा है। एसओ ने बताया कि आरोपी को बुधवार शाम गिरफ्तार कर लिया गया है।

एनएचआरसी ने डीजी जेल, दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने यहां के तिहाड़ जेल में कैदियों के बीच हिंसा की बढ़ती घटनाओं को लेकर महानिदेशक(जेल) और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। एनएचआरसी ने तिहाड़ जेल में कैदियों के बीच हिंसा की बढ़ती घटनाओं के संबंध में मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 22 सितम्बर को तिहाड़ जेल के एक कैदी ने दूसरे कैदी की बुरी तरह पिटाई की। कैदी के साथ हाथापाई के दौरान एक हेड मैट्रॉन भी घायल हो गया था।

स्वास्थ्य केंद्र की बड़ी लापरवाही, वैक्सीन लगवाने गए शख्स को लगा दिया एंटी रेबीज का इंजेक्शन

मुंबई (आरएनएस)। स्वास्थ्य केंद्र की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मामला महाराष्ट्र के कलवा का है। यहां के अतकोनेश्वर स्वास्थ्य केंद्र पर कोरोना का टीका लगवाने आए व्यक्ति को रेबीज का इंजेक्शन लगा दिया गया। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने नर्स को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही पीड़ित व्यक्ति को डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक, अतकोनेश्वर स्वास्थ्य केंद्र पर राजकुमार यादव कोरोना का टीका लगवाने पहुंचे थे। उन्हें कोविशील्ड लगाई जानी थी, लेकिन राजकुमार यादव गलती से उस लाइन में खड़े हो गए जहां एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया जा रहा था। जब उनकी बारी आई तो वहां मौजूद नर्स कीर्ति पोपड़े ने बिना कागज देखे उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगा दिया। जब मामला सामने आया तो जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामला सामने आने के बाद अधिकारियों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति के कागजों की जांच करना नर्स की जिम्मेदारी है। नर्स की लापरवाही से व्यक्ति की जान को खतरा पैदा हुआ। कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से नर्स को निलंबित कर दिया गया है।

महंत नरेंद्र गिरी मौत का मामला: आनंद गिरी से पूछताछ करने उत्तराखंड पहुंची सीबीआई की टीम

देहरादून (आरएनएस)। महंत नरेंद्र गिरी मौत मामले में सीबीआई की एक टीम उनके शिष्य आनंद गिरी को प्रयागराज से लेकर बुधवार शाम को देहरादून स्थित जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंची है। सीबीआई की टीम गजीवाला श्यामपुर स्थित आनंद गिरी के आश्रम पहुंचेगी। सूत्रों की मानें तो आनंद से कई मुद्दों पर टीम उन्हीं के आश्रम में पूछताछ करेगी।

सीबीआई की एक टीम आनंद का मोबाइल और लैपटॉप बरामद करने के लिए हरिद्वार आई है। वहां उनके आश्रम में तलाशी करके वांछित सामानों की बरादमगी भी

की जाएगी। उनके लैपटॉप और मोबाइल में नरेंद्र गिरि के अश्लील वीडियो संबंधित साक्ष्य मिलने की उम्मीद है। सीबीआई उसे कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच कराएगी।

सीबीआई की दूसरी टीम आद्या तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी से पुलिस लाइन में पूछताछ कर रही है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में आरोपी बनाए गए आनंद गिरि, आद्या तिवारी और संदीप तिवारी को जांच एजेंसी ने कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को सात दिन के लिए कस्टडी रिमांड पर लिया था।

इन तीनों के खिलाफमहंत नरेंद्र गिरि ने अपने सुसाइड नोट में मौत का जिम्मेदार बताया था। 24 घंटे से अधिक समय तक आनंद गिरि को कस्टडी में रख, पूछताछ करने के बाद बुधवार दोपहर सीबीआई टीम उन्हें लेकर पुलिस लाइन से पीछे के रास्ते निकली। लगभग ढ़ाई बजे तक वह एयरपोर्ट पहुंच गई। वहां पर सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था।

अनुराग ठाकुर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से, महीने भर चलने वाले राष्ट्रव्यापी स्वच्छ भारत कार्यक्रम का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (भारत सरकार) का युवा कार्यक्रम विभाग आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में एक अक्टूबर, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक राष्ट्रव्यापी स्वच्छ भारत कार्यक्रम का आयोजन करेगा। यह कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) से संबद्ध युवा मंडलों (यूथ क्लब) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से संबद्ध संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से देश भर के 744 जिलों के छह लाख गांवों में आयोजित किया जा रहा है।

आज नई दिल्ली में पत्रकारों को जानकारी देते हुए युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव मती उषा शर्मा ने कहा कि स्वच्छता अभियान का शुभारंभ युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य पूरे देश में कचरे की सफाई, मुख्य रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे की सफाई को लेकर जागरूकता पैदा करना, लोगों को संगठित करना और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। सचिव ने साथ ही कहा कि इस महा पहल के माध्यम से, 75 लाख किलो कचरे, मुख्य रूप से प्लास्टिक कचरे को एकत्र किया जाएगा और नागरिकों की मदद एवं स्वैच्छिक भागीदारी से उसका निपटान जाएगा।

इससे पहले, एक घोषणा में अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं और ऐसे में हमें अपने देश को प्लास्टिक कचरे से मुक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम अपने पैमाने और पहुंच दोनों के लिहाज से विशिष्ट है और जन भागीदारी से जन आंदोलन के मॉडल पर इसकी कल्पना की गई है तथा इसके माध्यम से कार्यक्रम की सफलता एवं स्थिरता के लिए प्रत्येक नागरिक की भूमिका और योगदान की योजना तैयार की गयी है।

हालांकि, स्वच्छ भारत कार्यक्रम में मुख्य रूप से गांवों पर ध्यान दिया जाएगा, जनसंख्या के विशिष्ट वर्ग जैसे धार्मिक संगठन, शिक्षक, कॉर्पोरेट निकाय, टीवी एवं फिल्म अभिनेता, महिला समूह और अन्य भी एक विशेष निर्दिष्ट दिन पर स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इस भागीदारी का उद्देश्य अभियान के प्रति उनकी एकजुटता का प्रदर्शन करना और इसे एक सार्वजनिक आंदोलन का रूप देना है।

जिला प्रशासन एवं नगर निगम के सहयोग से चिन्हित स्थानों पर कचरा संग्रह थैलों में एकत्रित कर उसका निपटान करने की विशेष योजना बनायी गयी है। इसके अलावा, एकत्र किए गए कचरे के थैलों का वजन रसीद की पावती से मापा जाएगा।